

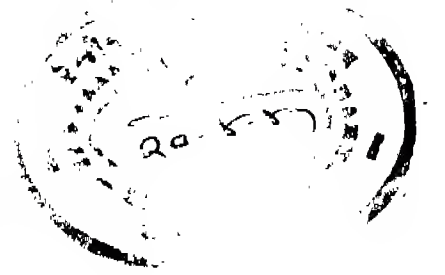


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 270]
No. 270]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 1, 1987/ज्येष्ठ 11, 1909
NEW DELHI, MONDAY, JUNE 1, 1987/JYAISTHA 11, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 1 जून, 1987

अधिसूचना

एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार (उपभोक्ता
संगम मान्यता) नियम, 1987

सा.का.नि. 354(अ) —केन्द्रीय सरकार एकाधिकार
तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969
का 54) की धारा 2 के खंड (ड) के साथ पठित धारा
67 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित
नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का
संक्षिप्त नाम एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार
(उपभोक्ता संगम मान्यता) नियम, 1987 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएं :—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ
में अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) “अधिनियम” से एकाधिकार तथा अवरोधक
व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969
का 54) अभिप्रेत है ;

(ख) “प्ररूप” से इन नियमों की अनुसूची में विनिर्दिष्ट
कोई प्ररूप अभिप्रेत है ;

(ग) किसी उपभोक्ता संगम के संबंध में “प्रधान अधि-
कारी” से इसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो लिखित
रूप में विशिष्ट रूप से प्राधिकृत है या किसी
ऐसे संकल्प के माध्यम द्वारा जिसे इस निमित्त
ऐसे उपभोक्ता संगम द्वारा अंगीकृत किया गया है ;

3. उपभोक्ता संगम की मान्यता के लिए आवेदन पत्र

(1) ऐसे प्रत्येक उपभोक्ता संगम में, जो रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता संगम के रूप में मान्यता, दिए जाने के लिए वांछा करता है,

(क) उसके संदाय के रूप में दस से अत्युन उपभोक्ता नहीं होंगे, और

(ख) वह केन्द्रीय सरकार को कंपनी कार्य विभाग में प्ररूप I में ऐसी मान्यता के लिए तीन प्रतियों में आवेदन करेगा ।

(2) उपनियम (1) के अधीन किए गए प्रत्येक आवेदन के साथ एक चालान या बैंक ड्राफ्ट होगा जिसमें पांच सौ रुपए की फीस के संदाय का साक्ष्य संलग्न होगा ।

(3) उपनियम (1) के अधीन किए गए आवेदन की प्राप्ति पर, कंपनी कार्य विभाग उस पर उसकी प्राप्ति की तारीख अंकित करेगा और आवेदक को ऐसी तुरंत तारख संसूचित करेगा ।

(4) कंपनी कार्य विभाग, मान्यता प्रमाणपत्र जारी करने से पूर्व, आवेदन से, उस अधि के भीतर जो उसके द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, ऐसी अनिश्चित जानकारी जैसी वह आवश्यक समझे, प्रस्तुत करने की अपेक्षा करेगा ।

(5) उपनियम (4) के अधीन जारी किया जाने वाला मान्यता प्रमाणपत्र प्ररूप II में होगा ।

(6) जहां इन नियमों के अधीन जारी किया गया कोई मान्यता प्रमाणपत्र खो जाता है, नष्ट या विकृत हो जाता है, वहां इस संबंध में किए गए आवेदन पर और पचास रुपए फीस के संदाय के किए जाने पर, एक दूसरी प्रति जारी की जा सकेगी ।

4. फीस का संदाय—इन नियमों के अधीन संदाय पत्र का संदाय एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 के नियम 10 में अधिकृत प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा ।

5. उपभोक्ता संगम की मान्यता प्रमाणपत्र के संज्ञा किए जाने से इन्कार करना—

जहां उपभोक्ताओं के संगम की मान्यता का कोई प्रमाणपत्र देने से इन्कार किया गया है, वहां आवेदक को, ऐसे इन्कार किए जाने के कारणों की जानकारी दी जाएगी ।

6. कर्तव्य प्राधिकारियों को मान्यता के प्रमाणपत्र की प्रतियों का भेजा जाना—

प्रत्येक ऐसा उपभोक्ता संगम, जिसे "रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता संगम" के रूप में मान्यता दी गई है, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 (1986 का 68) की धारा 9 के खंड (ख) के अधीन स्थापित संबंधित उपभोक्ता धिवाद प्रतिनोप आयोग को उसमें जारी किए गए मान्यता प्रमाणपत्र की एक प्रति प्रस्तुत करेगा ।

आवेदन का मत्यापन—इन नियमों के अधीन किया गया प्रत्येक आवेदन प्रधान अधिकारी द्वारा सम्यक् रूप में मत्यापित किया जाएगा ।

अनुसूची

प्ररूप I

[नियम 3 का उपनियम (1) देखिए]

"रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता संगम" के रूप में उपभोक्ताओं के संगम की मान्यता के लिए केन्द्रीय सरकार को कंपनी कार्य विभाग में दिए जाने वाले आवेदन का प्ररूप (तीन प्रतियों में प्रस्तुत किया जाएगा)

(1) उपभोक्ता संगम का नाम :

(2) पता—

(क) रजिस्ट्रीकृत कार्यालय :

(ख) पताचार के लिए—

(ग) शाखाएं—

(3) यदि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 25 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है तो, रजिस्ट्रीकरण की तारीख

(4) यदि किसी अन्य विधि के अधीन रजिस्ट्रीकृत है तो वह अधिनियम जिसके अधीन रजिस्ट्रीकृत है और रजिस्ट्रीकरण की तारीख—

(रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न की जाए)

(5) संगम के कुल सदस्यों की संख्या (आवेदन की तारीख को) :

(6) संगम के उद्देश्य (संगम के नियमों और विनियमों की प्रति के साथ संगम के शासन की प्रमाणित प्रति संलग्न की जाए) ।

(7) निदेशक बाईं/शामकीय निकाय/परिषद/समिति (चाहे वे जिस नाम से जान हों) के व्यष्टियों के नाम, पते और व्यवसाय, जिनका संगम के क्रियाकलापों के प्रबंध को नियन्त्रित किया गया है ।

(8) कर्मचारियों की संख्या :

(क) पूर्णकालिक—

(ख) अंशकालिक :—

(9) गत तीन वर्षों के दौरान, संगम द्वारा उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण के क्षेत्र में किए गए कार्य के वर्षवार व्यौर ।

(10) अद्यतन तीन वर्षों की संगम की प्रकाशित वार्षिक रिपोर्ट और लेखों की प्रतियां ।

(11) उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण के प्रयोजन के लिए, संगम के स्वामित्वार्थी, उसके द्वारा चलाए जा रहे या संचालन किए जा रहे प्रयोगशाला/संगठन के यदि कोई हों, ब्यौरे ।

स्थान

तारीख प्रधान अधिकारी के हस्ताक्षर
और पदनाम

सत्यापन

मैं, सत्यनिष्ठा से कथन करता हूँ कि ऊपर मद्र
1 से 11 में जो भी कथन किया गया है, मेरे सर्वोत्तम ज्ञान
और विश्वास के अनुसार सत्य है ।

स्थान

तारीख प्रधान अधिकारी के हस्ताक्षर
और पदनाम

प्रारूप II

[उप नियम 3 का उपनियम (5) देखिए]

(मान्यता प्रमाणपत्र)

भारत सरकार

कंपनी कार्य विभाग

यह प्रमाणित किया जाता है कि, उपभोक्ता संगम को,
जिसकी विशिष्टियां नीचे दी गई हैं उस तारीख को, एका-
धिकार और अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969
(1969 का 54) की धारा 2 के खंड (द) के निबंधनों
के अनुसार "रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता संगम" के रूप में मान्यता
दी जाती है:—

विशिष्टियां

- (1) उपभोक्ता संगम का नाम :
- (2) पता
- (3) आर्सी बोर्ड/निकाय/परिषद के उन व्यक्तियों के
नाम और पते जिन्हें संगम का प्रबन्धन सौंप दिया गया है :
- (4) सदस्यों की सं.
- (5) रजिस्ट्रीकरण सं. कंपनी कार्य विभाग की मुद्रा

हस्ताक्षर

तारीख

[फाइल सं. 32/5/85-मील V]

ती. के. मजोत्रा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 1st June, 1987

NOTIFICATION

MONOPOLIES AND RESTRICTIVE TRADE

PRACTICES (RECOGNITION OF CON- SUMERS' ASSOCIATION) RULES, 1987.

G.S.R. 534(E) —In exercise of the powers con-
ferred by section 67 read with clause(n) of section 2
of the Monopolies and Restrictive Trade Practices
Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government
hereby makes the following rules, namely :—

1. Short Title and Commencement. —(1) These
rules may be called the Monopolies and Restrictive
Trade Practices (Recognition of Consumers' Associa-
tion) Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the date of
their publication in the Official Gazette.

2. Definitions — In these rules, unless the context
otherwise requires, —

- (a) "Act" means the Monopolies and Restrictive
Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969);
- (b) "Form" means a Form specified in the
Schedule to these rules;
- (c) "principal officer" in relation to a consumer
association means any individual who is
specifically authorised in writing or by
means of a resolution adopted by such
consumer association in that behalf.

3. Application for recognition of consumers' asso-
ciation.—(1) Every consumers' association which is
desirous of being recognised as a registered consu-
mers' association,

- (a) shall have not less than ten consumers' as
its members; and
- (b) shall make an application for such recogni-
tion in triplicate to the Central Govern-
ment in the Department of Company Affairs
in Form I.

(2) Every application made under sub-rule (1),
shall be accompanied by a challan or a bank draft
evidencing the payment of a fee of rupees five
hundred.

(3) On receipt of an application made under sub-
rule (1), the Department of Company Affairs shall
note thereon the date of its receipt and shall forth-
with communicate such date to the applicant.

(4) The Department of Company Affairs may,
before issuing a certificate of recognition, require
the applicant to furnish, within such period as may
be specified by it, such additional information as it
may consider necessary.

(5) The certificate of recognition to be issued under sub-rule (4) shall be in Form II.

(6) Where a certificate of recognition issued under these rules is lost, destroyed or mutilated, a duplicate may be issued on an application made in this regard and on payment of a fee of rupees fifty.

4. Payment of Fees — Fees payable under these rules shall be paid in accordance with the procedure laid down in rule 10 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970.

5. Refusal to grant of certificate of recognition to consumers' association — Where a certificate of recognition of consumers' association has been refused, the applicant shall be informed of the reasons for such refusal.

6. Copies of certificate of recognition to be sent to certain authorities — Every consumers' association which has been recognised as a "registered consumers' association" shall furnish a copy of the certificate of recognition issued to it, to the concerned Consumer Disputes Redressal Commission established under clause (b) of section 9 of the Consumer Protection Act, 1986 (68 of 1986).

Verification of application — Every application made under these rules shall be duly verified by the principal officer —

SCHEDULE

FORM I

[See Sub-rule (1) of rule 3]

Form of application to be given to the Central Government in the Department of Company Affairs for recognition of consumers' association as "registered consumers' association". (To be submitted in Triplicate)

(1) Name of the consumers' association :—

(2) Address :—

(a) Registered Office :—

(b) For correspondence :—

(c) Branches :—

(3) If registered under section 25 of Companies Act, 1956, the date of registration :—

(4) If registered under any other law, the Act under which registered and date of registration :— (Certified copy of the certificate of registration to be enclosed).

(5) Total number of members of the association (as on the date of application) :—

(6) Objects of the association (Certified copy of Memorandum of Association to be enclosed along with copy of the rules and regulations of the association).

(7) Names, addresses and occupations of persons on the Board of directors/Governing body/council/committee (by whatever name called), to whom the management of the affairs of the association is entrusted.

(8) Number of Employees :—

(a) Whole-time :—

(b) Part-time :—

(9) Year-wise details of the work done by the association during the last three years in the field of protection of consumers' interest.

(10) Copies of published annual reports and accounts of the association for the latest three years.

(11) Details of laboratory/organisation, if any, owned, run or operated by the association for purposes of protection of consumers' interest.

Place.....

Date.....

Signature and designation
of Principal Officer

VERIFICATION

I, do hereby solemnly state that what is stated in items 1 to 11 above is true to the best of my knowledge and belief.

Place.....

Date.....

Signature and designation
of Principal Officer

FORM-II

[See Sub-rule (5) of rule 3]

(Certificate of recognition)

Government of India

Department of Company Affairs

Certified that the consumers' association whose particulars are given below has, this day, been recognised as "registered consumers' association" in terms of clause (n) of section 2 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969) :

Particulars

(1) Name of the Consumers' Association :

(2) Address :

(3) Name of persons on the governing Board/body/council to whom management of the Association is entrusted :

(4) Numbers of members :

(5) Registration number :

Seal of the Department of
Company Affairs.

Signature

Date

[File No. 38/5186-CL. V]
V. K. MAJOTRA, Jt. Secy.